हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, रविवार 11 जनवरी 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एसडीएम ने उपार्जन केन्द्र सन्नौसी का किया औचक निरीक्षण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा जिले में किए जा रहे धान उपार्जन कार्य की नियमित मानीटरिंग करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। निर्देश के परिपालन में एसडीएम जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह ने उपार्जन केन्द्र सन्नौसी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर उपार्जन के संबंध में मिल रही सुविधाओं एवं परेशानियों की जानकारी प्राप्त की। मौके पर उपार्जित धान की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया तथा बोरियों के वजन का भी परीक्षण कराया। केन्द्र द्वारा उपार्जित धान की मात्रा परिवहन तथा भुगतान की जानकारी प्रबंधक से प्राप्त की। उन्होंने कहा कि परिवहन कार्य में तेजी लाकर किसानों का भुगतान शीघ्रता से किया जाए। निरीक्षण के समय सर्वेयर के अनुपस्थित रहने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु वाशु गुप्ता चयनित

शहडोल। राजस्थान के सीकर में 19 जनवरी से 24 जनवरी तक आयोजित होने वाली 69 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए टाइम्स पब्लिक स्कूल शहडोल में अध्ययनरत वाशु गुप्ता का चयन किया गया। चयन होने पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण उमेश कुमार धुर्वे, जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची, सहायक संचालक आर के मंगलानी, सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। सहायक संचालक रईस अहमद ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले मध्य प्रदेश टीम का प्री नेशनल कोचिंग कैंप 12 से 16 जनवरी 2026 तक जिला शिक्षा अधिकारी जिला छतरपुर द्वारा किया जाएगा।

स्वास्थ्य महकमे के दिग्गजों से मिला फार्मासिस्ट एसोसिएशन

शहडोल। अपनी पहचान और अधिकारों को लेकर सजग एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने शनिवार को जिला स्वास्थ्य प्रबंधन के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर अपनी सक्रियता का परिचय दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा और आरएमओ डॉ. पुनीत श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर नववर्ष की बधाई दी। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान सिर्फ औपचारिकताएं नहीं निभाई गईं, बल्कि समाज में फार्मासिस्ट का महत्व विषय पर तीखी और सार्थक चर्चा हुई। संगठन ने स्पष्ट संदेश दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ होने के नाते फार्मासिस्ट अपनी भूमिका को लेकर पूरी तरह अडिग हैं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष शिवम शुक्ला, संगठन मंत्री निपेंद्र तिवारी सहित दुर्गेश तिवारी, अविनाश द्विवेदी, हिमांशु मिश्रा, सतेंद्र शर्मा और पुनीत अग्निहोत्री ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

मिर्गी का दौरा पडने से बुजुर्ग महिला की जलसमाधि

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में एक दर्दनाक हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। शनिवार को लकड़ी बीनने गई 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला गोमती बाई की तालाब में डूबने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, मृतका लंबे समय से मिर्गी की बीमारी से जूझ रही थी। आशंका जताई जा रही है कि तालाब किनारे लकड़ी बीनते समय अचानक मिर्गी का दौरा पडने से महिला का संतुलन बिगड़ा और वह सीधे गहरे पानी में जा समाई।

बिजली चोरी से करोड़ों का नुकसान, एमपीईबी मौन आदिवासी अंचल में खुलेआम बिजली लूट

शहडोल में 'कटिया साम्राज्य' बेखौफ

खंभों पर टंगी कटिया और कुर्सियों पर सोता सिस्टम

ब्यौहारी से जयसिंहनगर तक बिजली चोरी का जाल, राजस्व डूबा, कार्रवाई नदारद

आदिवासी बाहुल्य शहडोल में खुलेआम बिजली चोरी,

शहडोल।

आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले में बिजली चोरी अब छुपा हुआ अपराध नहीं, बल्कि खुलेआम चल रहा कटिया राज बन चुका है। हालात यह हैं कि ब्यौहारी मुख्यालय से लगे खैरहा, भानपुर, सामतपुर, हरदी, जैतपुर, केशवाही, जयसिंहनगर, पपौंध सहित पूरे ब्यौहारी अंचल में सरेआम बिजली के खंभों पर कटिया फंसाकर बिजली जलाई जा रही है। दिन हो या रात, न कोई डर, न कोई रोक,और सबकुछ देखकर भी मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी (एमपीईबी) आंख मूंदे बैठी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई इलाकों में तो वर्षों से बिना मीटर बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा है। खेतों में मोटर, घरों में पंखे, टीवी, फ्रिज से लेकर व्यावसायिक प्रतिष्ठान तक कटिया कनेक्शन से चल रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह सब ब्यौहारी मुख्यालय से लगे गांवों और कस्बों में हो रहा है, जहां एमपीईबी के दफ्तर और कर्मचारी मौजूद हैं, लेकिन कार्रवाई न के बराबर है।

इस खुलेआम बिजली चोरी से शासन को हर महीने लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। ईमानदारी से बिजली बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं पर इसका सीधा बोझ पड़ रहा है, क्योंकि लाइन लॉस और राजस्व घाटे की भरपाई आखिरकार उन्हीं से की जाती है। लोगों का कहना है कि जो समय पर बिल भरते हैं, उन्हें कनेक्शन काटने और पेनल्टी का डर दिखाया जाता है, जबकि कटिया से बिजली जलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

सबसे गंभीर आरोप यह है कि शहडोल जिले में कई रसूखदार लोग वर्षों से बिजली बिल नहीं चुका रहे हैं। उनके नाम पर लाखों रुपये के बकाया हैं, लेकिन न तो कनेक्शन काटा गया और न ही वसूली की ठोस कार्रवाई की गई। यही नहीं, जिले के कई सरकारी और अर्ध-सरकारी विभागों पर भी लाखों रुपये का बिजली बिल बकाया है। इन विभागों की एक लंबी सूची बताई जा रही है, जो एमपीईबी के दफ्तरों में फाइलों में दबी हुई है, लेकिन भुगतान के नाम पर केवल पत्राचार चल रहा है।

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का आरोप है कि बिजली चोरी और बकाया बिलों के पीछे एक संरक्षण तंत्र काम कर रहा है। जहां सामान्य उपभोक्ता के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होती है, वहीं रसूखदारों और बड़े बकायेदारों के मामले में एमपीईबी धृतराष्ट्र की भूमिका में नजर आती है।

बिजली चोरी का असर केवल राजस्व तक सीमित नहीं है। इससे ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं बढ़ रही हैं, बार-बार फॉल्ट हो रहे हैं और ईमानदार उपभोक्ताओं को घंटों बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है। कई गांवों में ट्रांसफार्मर ओवरलोड होकर खराब हो चुके हैं, लेकिन कटिया कनेक्शन जस के तस बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि एमपीईबी ईमानदारी से अभियान चलाए, तो अकेले ब्यौहारी और आसपास के क्षेत्रों से ही करोड़ों रुपये का राजस्व वसूला जा सकता है। जरूरत है नियमित जांच, अचानक छापेमारी और बिना भेदभाव के कार्रवाई की।

गरीबों की लाइफ लाइन पर मोदी सरकार का डिजिटल डेथ वारंट

मनरेगा खत्म, अब खैरात के भरोसे रहेंगे 92 लाख मजदूर

शहडोल।

केंद्र की मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर ग्रामीण भारत की रीढ़ मनरेगा का गला घोंट दिया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाकर लागू किया गया नया बीवीजी राम जी एक्ट (विकसित भारत रोजगार मिशन-2025) वास्तव में गरीबों के काम के अधिकार पर एक सोची-समझी सर्जिकल स्ट्राइक है। यह केवल नाम बदलना नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश के 92 लाख मजदूरों को भुखमरी की ओर धकेलने की एक सामंती साजिश है।

कर्ज में डूबे राज्य की टूटेगी कमर

नए कानून के तहत अब अकुशल मजदूरी का 100 प्रतिशत खर्च केंद्र नहीं उठाएगा। अब राज्यों को 40 प्रतिशत हिस्सा देना होगा। मध्य प्रदेश, जो पहले से ही 4 लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है, उस पर सालाना 5,000 करोड़ का अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। सवाल यह है कि जब सरकार के पास लाड़ली बहनों को देने के लिए पैसे नहीं हैं, तो क्या वह मजदूरों को काम दे पाएगी? साफ़ है कि फंड की कमी का बहाना बनाकर अब काम बंद किया जाएगा।

चेहरा नहीं दिखा तो पेट पर लात

मध्य प्रदेश में तकनीकी तानाशाही का आलम यह है कि 90.5 प्रतिशत सक्रिय मजदूरों का ई-केवाईसी लंबित है। झाबुआ, मंडला और डिंडोरी के उन आदिवासी इलाकों में जहां मोबाइल टावर तक नहीं हैं, वहां मजदूर अपना चेहरा सर्वर को कैसे दिखाएगा, यह 10 में से 9 मजदूरों को सिस्टम से बाहर फेंकने का डिजिटल षड्यंत्र है।

निजी ठेकेदारों की गुलामी का रास्ता

सरकार ने फसल बुवाई और कटाई के समय 60 दिनों तक काम बंद रखने का तुगलकी फरमान जारी किया है। यह प्रावधान गरीबों को निजी खेतों में कम मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर करेगा। मनरेगा जो पहले एक संवैधानिक अधिकार था, उसे अब कोटा सिस्टम बना दिया गया है। फंड खत्म होते ही मजदूर का हक खत्म हो जाएगा। क्या गांधी जी का नाम हटाना भाजपा की नफरत की राजनीति का हिस्सा नहीं है? क्या धर्म के नाम पर बीवीजी राम जी एक्ट लाकर गरीबों का पेट काटा जा रहा है। जवाब दीजिए कि आखिर क्यों मध्य प्रदेश को पलायन का केंद्र बनाया जा रहा है?

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में गूंजी साहित्य की स्वर लहरियां

शहडोल।

हिंदी केवल संवाद का जरिया नहीं, बल्कि हमारी रगों में दौड़ती भारतीय संस्कृति की वह महीन बुनावट है जिसमें मानवीय मूल्यों के धागे गुथे हुए हैं। यह ओजस्वी विचार पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. गंगाधर ढोके ने विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित भव्य काव्य गोष्ठी में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल भाषा की शक्ति को रेखांकित किया, बल्कि समकालीन चुनौतियों के बीच हिंदी के बढ़ते गौरव का शंखनाद भी किया।

जन-जन की संवेदना है हिंदी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. ढोके ने मानवीय संबंधों पर आधारित अपनी गजल से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं डॉ. संगीता धुर्वे ने दो-टूक कहा कि हिंदी जन-जन की संवेदना और स्त्री अनुभूतियों की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। डॉ. दिलीप कुमार तिवारी ने भाषा के दार्शनिक पहलुओं पर प्रहार करते हुए इसे जीवन के गहरे संबंधों से जोड़ा, जबकि डॉ. लोकेश साहू ने हिंदी को समाज को जोडने वाला सबसे अचूक और प्रभावी अस्त्र बताया।

भावी साहित्यकारों का हुंकार

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों से साबित कर दिया कि हिंदी का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। अंकिता रस्तोगी, दिशा गौतम, सुप्रिया तिवारी और कल्याणी तिवारी सहित अन्य विद्यार्थियों ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं से भाषाई गौरव का परिचय दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन मधु गोले ने किया और आभार प्रदर्शन प्रिया सिंह ने किया। विश्वविद्यालय का यह आयोजन केवल एक रस्म अदायगी नहीं, बल्कि उन लोगों को करारा जवाब था जो हिंदी को केवल औपचारिकता मानते हैं। यहाँ हिंदी जीती हुई, जागती हुई और भविष्य की चुनौतियों से टकराती हुई नजर आई।

युवाओं ने दिखाई भाषाई ताकत

कार्यक्रम की धार तब और तेज हो गई जब युवा चेतना के प्रतीक आयुष द्विवेदी और सुश्री मंजुला तिवारी ने सामाजिक यथार्थ और संस्कारों पर केंद्रित रचनाएं प्रस्तुत कीं। वीरेन्द्र कुर्मी की काव्य पंक्तियों ने सामाजिक कुरीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए श्रोताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया।

अहंकारी बयान पर जमकर बरसे कार्यकर्ता

कांग्रेस ने फूंका मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला

शहडोल।

भागीरथपुरा हादसे में 20 जिंदगियों की मौत पर संवेदनहीन बयानबाजी करना कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भारी पड़ गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान और जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के मार्गदर्शन में शनिवार को बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस ने मंत्री की अमर्यादित भाषा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनका पुतला दहन किया।

शर्मनाक बयान पर फूटा गुस्सा

ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में जुटे सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि एक तरफ प्रदेश अपनों को खोने के गम में डूबा है, वहीं दूसरी तरफ सत्ता के नशे में चूर मंत्री पत्रकारों के जायज सवालों पर अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र और मानवता का अपमान करार दिया है।

सडक पर उतरी कांग्रेस की फौज

पुतला दहन के दौरान बलमीत सिंह खनूजा, प्रदीप सिंह, सुजीत सिंह और हनुमान खंडेलवाल सहित कई दिग्गज नेताओं ने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा के मंत्रियों का अहंकार अब सिर चढक़र बोल रहा है। प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता, महिला विंग और सैकड़ों युवा साथियों ने हिस्सा लिया और चेतावनी दी कि यदि सार्वजनिक माफी नहीं मांगी गई, तो यह आंदोलन और उग्र होगा। इस दौरान मुख्य रूप से उमा धुर्वे, इबरार खान, हरिवंश मिश्रा, संतोष सिंह सेंगर सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बुढ़ार की सडक़ों पर हुए इस शक्ति प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि विपक्ष अब सरकार की हर संवेदनहीनता का जवाब ईंट से ईंट बजाकर देगा।

जंगलों के सफेदपोश तस्करों पर वन विभाग का हल्लाबोल

अवस्थी ब्रदर्स के ठिकानों पर रेड, कटर मशीनों के साथ कीमती लकड़ी बरामद

शहडोल।

वन विभाग ने जिले में सक्रिय लकड़ी माफिया के एक ऐसे संगठित गिरोह की कमर तोड़ दी है, जो फर्जी टीपी (ट्रांजिट पास) के दम पर सरकारी खजाने को चूना लगा रहा था। वन विभाग की विशेष टीमों ने बुढ़ार और ब्यौहारी परिक्षेत्र में एक साथ सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए भारी मात्रा में अवैध सागौन, खैर और पेड़ काटने की आधुनिक मशीनें बरामद की हैं। यह कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि जिले के जंगलों को खोखला करने वाला सफेदपोश नेटवर्क अब रडार पर है।

वन विभाग की टीम ने सबसे पहले बुढ़ार के ग्राम बुगरा में धावा बोला। यहां राम प्रवेश यादव की बाड़ी से 104 नग सागौन (3.109 घनमीटर) बरामद की गई। तस्करों की दुस्साहस देखिए, रात के अंधेरे में पिकअप वाहनों से अवैध लकड़ी ढोई जा रही थी। विभाग ने मौके पर ही घेराबंदी कर सारा माल जब्त कर लिया और आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया है।

कार्रवाई की सबसे बड़ी गाज अशोक और सुनील अवस्थी के ठिकानों पर गिरी। ब्यौहारी के कोलमी वार्ड में अशोक अवस्थी के घर से न केवल लकड़ी, बल्कि बैटरी चालित चेन-सॉ मशीन और भारी मात्रा में कटर जब्त किए गए। वहीं, सुनील अवस्थी के पटदई स्थित ढाबा परिसर से 130 नग सागौन (2.079 घनमीटर) बरामद हुई। ढाबे की आड़ में अवैध लकड़ी का यह काला साम्राज्य लंबे समय से फल-फूल रहा था।

जांच में जो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, वह फर्जी टीपी का खेल है। तस्कर कागजों में हेराफेरी कर अवैध लकड़ी को वैध साबित करते थे और फिर उसे बेखौफ होकर देश के अन्य राज्यों में खपा देते थे। अब तक लगभग 6 घनमीटर कीमती लकड़ी जब्त की जा चुकी है, जिसकी बाजार कीमत लाखों में है। वन विभाग की इस कार्रवाई ने माफियाओं में हडक़ंप मचा दिया है। विभाग अब इस गिरोह के मास्टरमाइंड और सरकारी महकमे में छिपे उनके मददगारों की कुंडली खंगाल रहा है। जल्द ही कुछ और बड़े चेहरों से नकाब उतर सकता है।

ब्यौहारी में 007 गैंग का खूनी आतंक, चाकू की नोक पर युवक को लूटा, क्या खाकी सो रही है

शहडोल। इलाके में कानून का खौफ खत्म हो चुका है और उसकी जगह 007 नाम के एक खूंखार गिरोह ने ले ली है। ब्यौहारी के भोगिया रोड पर शुक्रवार की रात जो हुआ, उसने पुलिस के सुरक्षा दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। 6 से अधिक नकाबपोश बदमाशों ने एक गरीब मजदूर को चाकू की नोक पर न सिर्फ बेरहमी से पीटा, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई और मोबाइल भी छीन लिया।

सैलरी लेकर घर जा रहे युवक पर हमला- पपौंध निवासी विकास गुप्ता ब्यौहारी की एक कपड़ा दुकान में काम करता है। शुक्रवार को उसे महीने भर के पसीने की कमाई 12 हजार रुपए मिली थी। रात में जब वह घर लौट रहा था, तभी बाइक और स्कूटी पर सवार 007 गैंग के बदमाशों ने उसे घेर लिया। बदमाशों ने चाकू सटाकर उसे सडक़ किनारे खींच लिया और खुद को 007 गैंग का गुंडा बताते हुए उस पर टूट पड़े। आरोपियों ने उसकी सैलरी और मोबाइल लूट लिया और लहूलुहान हालत में छोडक़र फरार हो गए।

नामजद आरोपियों का काला इतिहास- पीड़ित ने हिम्मत दिखाते हुए रवि सेन, आनंद यादव, अश्विनी पाण्डेय, अमीन खान, मानस यादव, गुलाब पटेल और सूर्यांश तिवारी के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। शर्मनाक बात यह है कि रवि, आनंद और अश्विनी जैसे बदमाश पुलिस की हिट लिस्ट में पहले से ही हैं, लेकिन ब्यौहारी पुलिस की ढिलाई का फायदा उठाकर ये सरेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

क्या है यह 007 खूनी सिंडिकेट- ब्यौहारी में दहशत का पर्याय बन चुके इस व्हाट्सएप ग्रुप में 50 से अधिक अपराधी मानसिकता के युवक जुड़े हैं। इनका काम करने का तरीका किसी आतंकी संगठन जैसा है, ग्रुप पर एक मैसेज होते ही ये महंगी बाइकों पर सवार होकर किसी भी स्थान पर खूनी वारदात करने पहुंच जाते हैं। आखिर कब तक ब्यौहारी की जनता इन गुंडों के साये में जियेगी, नामजद आरोपियों के फरार होने का मतलब पुलिस की नाकामी है या फिर अपराधियों को अभयदान मिला हुआ है।

खबर संक्षेप

नकदी के लिए जूझने को मजबूर नगर के नागरिक

हरिभूमि न्यूज कोतमा। डिजिटल इंडिया और आसान बैंकिंग के दावों के बीच, नगर के नागरिक चार पांच दिन से नकदी के लिए जूझने को मजबूर हैं। नगर में चार से पांच एक भी एटीएम जो चालू नहीं है। मात्र स्टेट बैंक के बाहर लगा एटीएम ही चालू है। हालात यह हैं कि रुपए निकालने के लिए लोगों को बैंक शाखा या कियोस्क सेंटर में घंटों इंतजार करना पड़ता है। जबकि नगर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा है। नगर के गांधी चौक बस स्टैंड टर्निंग प्वाइंट के पास पुराना फाटक रोड विकास नगर एटीएम संचालित है। लेकिन पिछले चार-पांच दिनों से एटीएम बंद पड़े हैं। इससे मजदूर, बुजुर्ग, महिलाएं और व्यापारी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नकदी जुटाना चुनौती बन गया है। बैंक में भीड़ के कारण कई बार खाली हाथ लौटना पड़ता है। लोगों का मानना है कि एटीएम चालू कर दिया जाए, तो न केवल नकदी आसानी से मिलेगी, बल्कि बैंक पर दबाव भी कम होगा। जानकारी के अनुसार सीएमयस प्राइवेट कंपनी को एटीएम मे रूपये डालने का ठेका दिया गया है लेकिन कंपनी के द्वारा लापरवाही की जा रही है वर्तमान मे एटीएम का शटर बंद है जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दुर्गा मंदिर प्रांगण चचाई में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई स्थित श्री दुर्गा मंदिर परिसर में 16 जनवरी से 23 जनवरी तक भव्य श्रीमद् भागवत कथा शतचंडी यज्ञ का आयोजन भक्त मंडल एवं संचालन समिति दुर्गा मंदिर के द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कथा व्यास के रूप में श्री सुग्रीवरामानुजदास जी महाराज श्री धाम वृंदावन के द्वारा प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से 12:00 तक जबकि कथा वाचन दोपहर 3:00 बजे से आयोजित होगा। वसंत उत्सव एवं वर्षगांठ महोत्सव के उपलक्ष में आयोजित हो रहे इस यज्ञ कथा में 16 जनवरी को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ कार्यक्रम प्रतिदिन होते हुए 23 जनवरी को पूर्णाहुति हवन एवं विशाल भंडारा के साथ कार्यक्रम समाप्त होगा।

भारत के धर्म-अध्यात्म की ताकत के समक्ष दुनिया नतमस्तक: उप मुख्यमंत्री

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने सागरेश्वरनाथ मंदिर में किया रूद्राभिषेक

उमरिया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला मुख्यालय में सागरेश्वरनाथ मंदिर में रूद्राभिषेक किया । इस अवसर पर उन्होने दूध, दही, घी, गंगा जल, शहद से अभिषेक किया तथा आरती मे शामिल हुए ।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पूर्व में विदेशी आक्रांताओं द्वारा सोमनाथ मंदिर के अस्तित्व तथा उसकी संस्कृति को मिटाने का प्रयास किया गया। सोमनाथ मंदिर में आक्रमण हुए एक हजार वर्ष पूरे हो गये है। सोमनाथ मंदिर आस्था का केंद्र रहा है। पूरे वर्ष भर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा। जिसके परिपेक्ष्य में शिवालयो में रूद्राभिषेक , ओम नमः शिवाय का जाप किया जा रहा है।

उन्होने कहा कि धर्म और अध्यात्म राष्ट्र की सबसे बडी ताकत है,जिसके समक्ष पूरी दुनिया नतमस्तक होती है। यह हमें एक सूत्र मे बांधकर रखने का कार्य भी करती है। हम सभी को इसके संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में भी कार्य करना चाहिए। विश्वभर में शांति की स्थापना के लिए भारत को पुनः विश्वगुरू का दर्जा दिलाना होगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता है कि भारत दुनिया का नेतृत्व करे क्योकि जब भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा तभी दुनिया में सुख शांति की स्थापना की जा सकती है।

इस अवसर पर विधायक बांधवगढ़ श्री शिवारायण सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, प्रभारी एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, श्री आसुतोष अग्रवाल सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उप मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

उमरिया।

प्रदेश के उप मुख्युमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में जिला अस्पताल सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में स्वास्थ्य संस्थाओ की जानकारी, चिकित्सको की उपलब्धता,कमपाउंडर्स एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत, रिक्त एवं भरे पदों की जानकारी,अनमोल पोर्टल, माडरेट एनिमिया,गर्भवती माताओ के प्रबंधन का प्रतिशत,टीकाकरण, एनआरसी मे बेड की स्थिति, सिकल सेल, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, आयुष्मान कार्ड आदि की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक मे बताया गया कि जिले में 587 ग्राम है। अरोग्य केंद्र की संख्या 577 है । ग्राम स्वास्थ्य 587 तदर्थ समिति की संख्या 577 है । आशा कार्यकर्ताओ की संख्या 710 है। नर्सिग होम एक है । ब्लड बैंक में ब्लड का स्टोरेज किया जा रहा है तथा आवश्यकता पडने पर मरीजो को रक्त चढाया जाता है । उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अनमोल पोर्टल की समीक्षा की जिस पर बताया गया कि वार्षिक लक्ष्य 25401 में से 10365 गर्भवती महिलाओ का अनमोल पोर्टल में पंजीयन किया गया है। उन्होने कहा कि हाई रिस्क प्रेगेन्सी के मामले में पहले से ही महिलाओ को जागरूक करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओ के संपर्क मे रहते हुए उन्हे दवाईया खिलाएं । उन्होने कहा कि आशा कार्यकर्ताओ से निरंतर रूप से बात करते हुए उनके मनोबल को बढ़ाया जाए ।

उन्होने सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग एवं शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि 12 से 14 वर्ष तक कि बालिकाओ को पोषण संबंधी जानकारी प्रदाय कि जाए । राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 159535 मे से 148116 मरीजो कि स्क्रीनिंग की जा चुकी है । ठीक होने वाले मरीजो की संख्या 1520 है । निक्षय मित्रों की संख्या 1623 है । 1736 मरीजो को फूड बास्केट उपलब्ध कराया गया है । उन्होने कहा कि टीबी रोग से मुक्त होने वाले मरीजो को टीबी चौपिंयन के रूप में सम्मानित किया जाए ।

सिकल सेल की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 251941 मे से 249042 लोगो की स्क्रीनिंग की जा चुकी है जिसमें 244986 निगेटिव आए है । जिले में 462 केस सिकल सेल के एक्टिव हैं। उन्होने कहा कि सिकल सेल एवं टीबी मुक्त भारत पर उमरिया जिले को देश में अव्वल लाने का प्रयास किया जाए । साथ ही शादी के पूर्व सिकल सेल कार्ड का मिलान किया जाए । आयुष्मान कार्ड की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 500182 मे से 490486 आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इसी तरह 70 प्लस में 24315 मे से 13441 आयुष्मान कार्ड बनाए गए है । पेडिंग कार्डो को बनाने में आ रही समस्याओ को दूर करते हुए कार्ड बनाने के निर्देश दिए गए । विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 26 मे से 16 विकास कार्यो को पूर्ण कर लिया गया है । शेष प्रगतिरत विकास कार्यो की संख्या 10 है । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पूर्ण हो चुके विकास कार्यो का लोकार्पण सर्व सुविधा के साथ कराना सुनिश्चित करें तथा जो कार्य प्रगतिरत है, उन्हें समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि अस्पताल में निर्माणाधीन 100 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण मार्च तक पूरा करा लिया जाए ताकि समय सीमा में उसका लोकार्पण करते हुए आम जनता की सेवा के लिए सौंपा जा सके।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रो में टेलीमेडिसिन के माध्यम से मरीजों उपचार हेतु प्रेरित किया जाए। एनआरसी की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले मे 4 पोषण पुर्नवास केंद्र हैं, जिनके बिस्तरो की संख्या 50 है। वार्षिक लक्ष्य 1200 है, जिसमें 616 की उपलब्धि हासिल की जा चुकी है । उन्होने कहा कि एनआरसी तक आने वाले बच्चों को भर्ती करने के बाद उनका नियमित रूप से फालोअप लिया जाए ताकि बच्चे के स्वास्थ्य मे सुधार बना रहे । बैठक में बताया गया कि जिले मे जिला मुख्यालय स्थित सिंगलटोला , मानपुर के ग्राम गोवर्दे तथा पाली मे अस्पताल में संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से लोगो का उपचार किया जा रहा है। उन्होने कहा कि संजीवनी क्लीनिक में दवाईयो की उपलब्धता बनी रहें , डाक्टर्स उपलब्ध रहे , इस पर ध्यान दिया जाए। स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ आम नागरिको को आसानी से उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह, विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, सीएमएचओ डा व्ही एस चंदेल, सविल सर्जन डा के सी सोनी,आशुतोष अग्रवाल सहित डाक्टर तथा कर्मचारी उपस्थित रहे ।

आदर्श कॉलेज में नवमतदाता नामांकन शिविर प्रारंभ

उमरिया।

शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमरिया के आदेशानुसार ,मतदाता साक्षरता क्लब के संयोजन में नव मतदाता नामांकन शिविर का आयोजन 09 एवं 10 जनवरी को किया गया । शिविर में महाविद्यालय के 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पुर्ण कर रहे छात्र छात्राओं को फॉर्म 6 भरवाने का कार्य प्रभारी प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी डॉ परमेश्वर सिंह मरावी,मतदाता साक्षरता क्लब प्रभारी डॉ.नियाज अहमद अंसारी द्वारा किया गया ।

छात्र-छात्राओं को मतदान एवं मतदाता परिचय पत्र निर्माण हेतु आवश्यक मार्गदर्शन डॉ.राजेंद्र प्रसाद, डॉ जुगल किशोर, डॉ राजीव तिवारी, डॉ स्वराज पाल, डॉ हरेंद्र कुमार ,सुश्री शोभा गोस्वामी द्वारा किया गया। महाविद्यालय शिविर में बीए,बी एससी,बी काम प्रथम वर्ष के 42 छात्र छात्राओं ने ऑफलाइन तथा अन्य पात्र छात्र छात्राओं को ऑनलाइन फॉर्म भरने का प्रशिक्षण दिया गया । छात्र छात्राओं द्वारा उनके क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से नाम जुड़वाने की प्रक्रिया में शामिल होने की सूचना भी प्रात की गई। मतदाता शिविर के आयोजन में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का उत्साह पूर्वक योगदान रहा।

शैक्षणिक भ्रमण से निखरा ज्ञान, उद्यानिकी से जुड़े छात्र-छात्राएँ

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम। अनूपपुर जिले एकमात्र सीआईएससीई बोर्ड नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन पटना, राजेंद्रग्राम की कक्षा छठी एवं आठवीं के छात्र एवं छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत राजेंद्रग्राम नर्सरी का भ्रमण किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी और व्यावहारिक अनुभव से भरपूर रहा, जिसने उन्हें प्रकृति, कृषि और आधुनिक उद्यानिकी से सीधे तौर पर जोड़ दिया। भ्रमण के दौरान हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट ऑफिसर विपिन कुमार ने छात्र-छात्राओं को उद्यानिकी से संबंधित महत्वपूर्ण एवं रोचक जानकारियाँ दीं। उन्होंने आम, स्ट्रॉबेरी, नाशपाती सहित विभिन्न फल एवं सब्जियों के पौधों के बारे में विस्तार से बताया तथा उनके उत्पादन, देखभाल, उपयोगिता और मौसमी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही विद्यार्थियों को फूलों की खेती, ग्राफ्टिंग, एयर लेयरिंग, फूड प्रोसेसिंग, कम्पोस्ट निर्माण, ग्रीन नेट हाउस जैसी आधुनिक तकनीकों की भी जानकारी दी गई, जिससे बच्चों को कृषि के वैज्ञानिक और व्यावसायिक पक्ष को समझने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं में विशेष उत्सुकता देखने को मिली। उन्होंने पौधों के क्षेत्रीय एवं विशेष नामों के साथ उनके वैज्ञानिक नाम भी जाने। साथ ही यह भी समझा कि कौन-से पौधे किस मौसम में उगाए जाते हैं और किस अवधि में फल या फूल देते हैं। प्रश्न-उत्तर सत्र के माध्यम से बच्चों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और विषयवस्तु को गहराई से समझने का प्रयास किया।

कार्यक्रम के दौरान उद्यानिकी एवं कृषि से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को खेती को परंपरागत कार्य से आगे बढ़कर एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में अपनाने, नवाचार से जोड़ने और भविष्य में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सोच विकसित करने की प्रेरणा दी। विद्यालय द्वारा आयोजित यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में वैज्ञानिक सोच, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, अवलोकन क्षमता, संवाद कौशल, टीमवर्क, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति, व्यावहारिक ज्ञान तथा उद्यमशीलता जैसे महत्वपूर्ण स्किल्स विकसित हुए। कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन द्वारा इस प्रकार के शैक्षणिक एवं अनुभवात्मक कार्यक्रमों का आयोजन यह प्रमाणित करता है कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को जीवनोपयोगी और व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए सतत प्रयासरत है।

विकास से कोसों दूर जनप्रतिनिधियों के चुनावी वादे, चुनाव खत्म वादे भस्म

गाँव गाँव बनी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क अपनी दुर्दशा पर बहा रहे आंसू

कार्य ऐजेंसी के भ्रष्टाचार के आगे शाशन प्रशासन नतमस्तक

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जनता के बीच जाकर विकास करने के बड़े-बड़े वादे करने वाले जनप्रतिनिधि चुनाव जीतते ही बादे भी भूल जाते है, लेकिन उन वादो में 5 साल में गांवों के विकास की ओर कितना ध्यान दिया इसकी याद नही रहती। कई गांव की स्थिति आज भी यह है कि यहां चलने लायक सड़क भी नहीं है। जो सड़के हैं वह भी जर्जर हो चुकी हैं, सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं। ग्रामीण जनों का बस एक ही कहना है कि यदि विकास देखना है तो हमारे गांव के रास्ते में जाकर देखें तब समझ में आएगा की धरातल में क्या विकास कार्य किए गए हैं। शासन द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत गांव-गांव में सड़कों का जाल बिछा दिया गया है। लेकिन इन सड़कों के रखरखाव की ओर संबंधित कार्य एजेंसी द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने के कारण सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है। जहां वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। यही नहीं ऐसी भी सड़कें हैं जो एक वर्ष में ही धराशाई हो गई है। जहां जगह-जगह सड़कों में गड्ढे बन गए हैं। सड़क कार्य में जो डामर का उपयोग किया गया था। वह डामर पूरी तरह से बहकर आज बजरी के रूप में सड़कों में बिखरा हुआ है। जिसके कारण से आए दिन दो पहिया चार पहिया वाहन पंचर हो रहे हैं। यही नहीं आम नागरिकों को भी इन सड़कों में चलने में बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वनांचल की सड़क मार्गों में यदि जनप्रतिनिधि अधिकारी निकल जाएं तो उन्हें वास्तविक स्थिति का जायजा ले सकते हैं। आम जनता ऐसी सड़क निर्माण जहां शासन की राशि पानी की तरह बहा दिया गया लेकिन उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया है। आज गुणवत्ता विहीन कई ऐसी सड़कें हैं जो प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों का निर्माण कराया गया है। इन सड़कों की बदतर स्थिति को देखकर आम जनता ने शासन प्रशासन के प्रति असंतोष पनपने लगा है।

विभागीय निरीक्षण का अभाव

सड़कों के निर्माण के बाद सड़क का रखरखाव की भी जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों व संबंधित कार्य एजेंसी विभाग की होती है लेकिन सड़क निर्माण के बाद उन सड़क निर्माण कार्यों को मुड़कर झांकने की फुर्सत नहीं है कि जो सड़क निर्माण का कार्य कराया गया है। उसकी क्या स्थिति बरसात मे हुई भारी बारिश से जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। वहीं कई जगह सड़कों के निर्माण में जो गुणवत्ता विहीन सामग्री का उपयोग किया गया है वह बह गया है। वनांचल के सड़क मार्गों में जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। यह सड़क कोतमा विधानसभा क्षेत्र के कोतमा से लामाटोला जाने वाले मार्ग की है।

मामला लामा टोला सड़क का

लामाटोला में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनाए गए निर्माण कार्य की सारी पोल खोल रहा है। सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दिनों में पानी गड्ढों में भर जाता है, जिससे राहगीरों को बड़े-बड़े गड्ढे नजर नहीं आते हैं और प्रतिदिन ग्रामीण दुर्घटना के शिकार होते रहे हैं। दो पहिया वाहन चालक भी गड्ढे में गिर कर चोटिल हुए। यही हाल कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेउला गांव का है। गांव के अंदर नवाटोला मोहल्ले की रोड अत्यंत जर्जर है पैदल चलने मे भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है बड़े-बड़े गड्ढे हैं बारिश के दिनों में ग्रामीणों को परेशानी होती है यही विकास कार्य है।

मकर संक्रांति पर्व को लेकर सज गई पतंग और मांझे की दुकानें

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मकर संक्रांति यानी खिचड़ी का पर्व नजदीक है। इसको लेकर लोगों ने खरीदारी तेज कर दी है। ऐसे में बाजार में पतंग और मांझे की भी दुकानें सज गई हैं। पतंग की दुकानें लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते नजर आ रही हैं। इंटरनेट के दौर में जब पुराने पारंपरिक खेल विलुप्त होते जा रहे हैं, वहीं पतंगबाजी का शौक युवाओं में आज भी उसी तरह हावी है। मकर संक्रांति पर ज्यादातर लोग पतंगबाजी करते हैं। कई दिनों पूर्व ही वे मंझा और पतंग की खरीदारी करने लगते हैं। वर्तमान में महंगाई का असर पतंग पर भी देखने को मिल रहा है। पतंग कारोबारी का कहना है कि बीते साल जो पतंग पांच रुपये की बिकती थी आज उसका दाम दोगुना बढ़ गया है। बाजार में तीन से लेकर बीस रुपये तक के पतंग बिक रहे हैं। जिसे लोग बड़े चाव से खरीद भी रहे हैं। मकर संक्रांति को लेकर पतंग बनाने वाले कारीगरों ने कुछ खास पतंग को भी बनाया है। एक तरफ जहां पतंग पर महंगाई का साया है वहीं लोग पतंगों की जमकर खरीदारी भी कर रहे हैं। इससे दुकानदारों को भी इस पर्व पर अच्छी आमदनी हो रही है। मकर संक्रांति के त्योहार पर पतंगबाजी का रिवाज अब भी कम नहीं हुआ है। इस दिन युवाओं के साथ बड़े-बूढ़े भी छतों से पतंगबाजी का जमकर आनंद लेते हैं। अब तो बालिकाओं को भी यह शौक लग गया है, लेकिन पतंगबाजी का मजा तभी आता है, जब आपस में इन्हें लड़ाया जाए।

चाइनीज मांझे ने किरकिरा किया पतंगबाजी का मजा- पतंगबाजी में सबसे अहम मांझा होता है। यह वह डोर होती है जो सालों से पतंग काटने के काम आ रही है, लेकिन अब चाइनीज मांझे ने इसकी पहचान कम कर दी है। कई सालों से स्वदेशी मांझा लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। अलग-अलग रंगों में डोर से बने माझें लोगों की पहली पसंद हैं। लेकिन चाइनीज मांझा के इस्तेमाल ने पतंगबाजी का मजा किरकिरा कर दिया। चाइनीज मांझा जितना सस्ता है उतना खतरनाक भी है। यह मांझे के ऊपर लोहे के बुरादे की कोट (परत) चढ़ाई जाती है। यह मांझा अगर किसी बिजली के तार पर छू जाये तो करंट भी लग सकता है।

बच्चों को लुभा रही छोटा भीम पतंग बाज - बाजार में बच्चों को लुभाने के लिए दुकानों में छोटा भीम, डोरेमोन, अलादीन, मिकी माउस बाज जैसे कार्टून किरदारों के चित्र वाली पतंगें तैयार की हैं। युवाओं के लिए फिल्मी स्टार्स की तस्वीरों वाली पतंगें बनाई गई हैं। खिलाड़ियों की तस्वीरों वाली पतंग भी इस साल विशेष रूप से तैयार की गई है। व्यापारियों की मानें तो पतंग बाजार में अच्छी ग्राहकी होने की उम्मीद है।

मकर संक्रांति पर दान का खास महत्व- मकर संक्रांति के मौके पर दान पुण्य करने का खास महत्व है। इस दिन नदी व सरोवरों में स्नान करने का खास महत्व होता है। मान्यता के मुताबिक इस दिन किया गया दान अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन तिल और उससे बने खाने की वस्तुएं दान की जाती हैं।

खबर संक्षेप

नागिन माता मंदिर में चल रही भागवत कथा

सिलौंडी। क्षेत्र के दियागढ़ के जंगलों के बीच स्थित नागिन माता मंदिर में 6 से 14 जनवरी तक सार्वजनिक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन प्रवचन कर्ता नीलम मिश्रा के द्वारा किया जा रहा है कथा का श्रवण करने दूर-दूर से तक नागिन माता मंदिर पहुंच रहे हैं। गत दोपहर कथा का श्रवण करने बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह भी पहुंचे जहां विधायक ने मंदिर में पूजन अर्चन कर कथा का श्रवण किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह बागरी,नरेंद्र त्रिपाठी, आशीष चोरसिया ,सरपंच संकेत लोनी ,बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

सूर्य उपासना का महापर्व गहोई दिवस 18 को

कटनी। गहोई वैश्य समाज की सामूहिक बैठक डा. हजारी लाल नौगरहिया सरपंच की अध्यक्षता में मंचासीन वरिष्ठ उपसरपंच ओंकार बहरें कनिष्ठ उपसरपंच डा अशोक चौदहा के सम्मुख्य लिये गये निर्णय अनुसार गहोई दिवस कार्यक्रम के लिये कार्यक्रम संयोजक अशोक सेठिया को नियुक्त किया गया एवं सह संयोजक आषीष कंदेले,नरेन्द्र चौदहा, राकेश सुहाने को दायित्व सौपा गया साथ ही 13 अन्य समितियों का गठन किया गया जिसमें सभी समितियो के संयोजक व सहयोजंक नियुक्त किये गये श्री अन्नपूर्णा समिति के संयोजक ओमप्रकाश छिरौल्या/प्रचार प्रसार समिति संयोजक रवि कस्तवार नियुक्त किये गये बैठक में समाज की सभी समितियों के अध्यक्ष पदाधिकारी व सदस्यगण एवं अन्य सामजिक बंधुजन की उपस्थिति रही जिसमें 16 जनवरी को वाहन रैली ,18 जनवरी को शोभा यात्रा निकाले जाने का निर्णय लिया गया।

ऑल इंडिया बार एग्जामीनेशन में आनंद पांडेय उत्तीर्ण

स्लीमनाबाद। तहसील क्षेत्र की

ग्राम पंचायत मटवारा निवासी ओमप्रकाश पांडेय के सुपुत्र आनंद पांडेय ने ऑल इंडिया बार एग्जामीनेशन परीक्षा उत्तीर्ण कर अधिवक्ता की डिग्री प्राप्त की है। इस सफलता के साथ ही आनंद पांडेय अब देश के किसी भी न्यायलय मै विधि व्यवसाय करने की पात्र हो गईं है। जानकारी अनुसार ऑल इंडिया बार एग्जामीनेशन मै देशभर से लगभग तीन लाख अभ्यर्थीयो ने भाग लिया था जिनमें से करीब एक लाख अस्सी हजार छात्रों ने सफलता हासिल की। इस सूची में आनंद पांडेय का भी नाम शामिल है, जिसने क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

स्वर्णकार समाज ने मांगों की ओर कराया ध्यानाकृष्ट

कटनी। सराफा एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष संजय सोनी ने कहा कि सोना-चाँदी के अनियंत्रित दाम और कॉर्पोरेट ज्वेलर्स के एकाधिकार ने छोटे स्वर्णकारों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि छोटे कारीगरों को बचाने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं। श्री सोनी ने बताया कि वर्तमान में स्वर्णकार समाज तीन तरफा मार झेल रहा है। सोने-चाँदी के भावों में अस्थिरता के कारण ग्राहकों की आवक कम हो गई है, जिसका सीधा असर छोटे दुकानदारों पर पड़ा है। सरकारी सिस्टम और नीतियों में जटिलता के कारण पुश्तैनी कारीगर परेशान हैं। स्वर्णकार समाज ने भारत सरकार से जो मांगें की गई हैं उनमें स्वर्णकारों के लिए न्यायसंगत और व्यावहारिक नीतियां बनाई जाएं। छोटे व्यवसायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। पारंपरिक कारीगरों को सरकारी संरक्षण और आर्थिक सहायता मिले। सरकार ने जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो यह आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने समस्त स्वर्णकार समाज से एकजुट होने का आह्वान किया है।

कोयलांचल क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को अब सुलभ होगी सोनोग्राफी की सुविधा: श्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री ने सोनोग्राफी मशीन का फीता काटकर किया शुभारंभ

मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री,लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री तथा शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने जिले के प्रवास के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में नवीन सोनोग्राफी मशीन का फीता काटकर शुभारंभ किया।

बुढार ।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि बुढार एवं कोयलांचल क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को स्थानीय स्तर पर अब सोनोग्राफी की सुविधा सुलभ हो सकेंगी, इससे मरीजों को जिला मुख्यालय अथवा अन्य शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व धन दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सीएचसी के वार्डों का निरीक्षण

उप मुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार के विभिन्न वार्डों का भी निरीक्षण कर उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों और परिजनों से चर्चा कर स्वास्थ्य केंद्र में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान विधायक जयसिंह मरावी, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिलेंडर फटने से साइकिल दुकान जलकर हुई खाक

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरा बस स्टैंड के समीप टायर पंचर की दुकान में रखे सिलेंडर गैस फटने से दुकान में लगी आग सामान जलकर हुआ खाक।

ग्राम सेमरा में साइकिल मरम्मत की दुकान में लगभग 4:30 बजे सुबह अचानक आग लग जाने के कारण दुकान के अंदर रखे सामान और मोटरसाइकिल का टायर ट्यूब एवं बोलेरो का टायर ट्यूब एवं चार चाकिये गाड़ी के 1020 के ट्यूब और साइकिल दुकान में मरम्मत में कार्य में आने वाले सामान लगभग 20 से 25 हजार रुपये का सामान एवं नगद रखे हुए घर के आभूषण सामान सब जलकर राख हो गए जिसकी अनुमानित लागत लागत बताई जा रही है। साइकिल व्यावसायिक गरीब की जीवन यापन का संकट आ गया है।

आगजनी की शिकायत थाने में दर्ज कराकर न्यायोचित मुआवजे की मांग शासन प्रशासन से की है।

रैन बसेरा में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर वितरित की दवाइयां

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम प्रशासन के मार्गदर्शन में जनहित एवं सामाजिक कल्याण की दिशा में एक और सराहनीय पहल करते हुए गुरुवार 8 जनवरी की रात्रि बस स्टैंड स्थित आश्रय स्थल, रैन बसेरा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों के सहयोग से आयोजित किया गया।

शिविर के दौरान उपायुक्त श्री शैलेश गुप्ता,आश्रय स्थल प्रभारी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, राजस्व उप निरीक्षक सनीष रजक सहित आश्रम स्थल में पदस्थ कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की विशेष उपस्थिति रही। शिविर में जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम द्वारा रैन बसेरा में ठहरे लगभग 58 हितग्राहियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में रैन बसेरा में रात्रि गुजर करने वाले उपस्थित मुसाफिरों जरूरतमंद नागरिकों के साथ-साथ आश्रय स्थल के संचालन एवं संधारण कार्य में संलग्न कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मौके पर मौजूद चिकित्सकों की टीम द्वारा ब्लड प्रेशर एवं शुगर जांच, रूटीन हेल्थ चेकअप सहित अन्य सामान्य रोगों की विस्तृत जांच की

विश्वविद्यालय में वित्तीय साक्षरता की गूंज, युवाओं को सिखाए निवेश के गुर

डिग्रियों के साथ आर्थिक समझ भी जरूरी

शहडोल।

केवल किताबी ज्ञान से भविष्य नहीं संवरता, असली ताकत वित्तीय अनुशासन में है। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के माता शबरी सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला ने विद्यार्थियों को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है। प्रबंध विभाग के छात्रों के लिए आयोजित इस वर्कशॉप में वित्तीय विशेषज्ञों ने दो-टूक कहा कि आर्थिक रूप से अज्ञानी होना भविष्य को जोखिम में डालना है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने छात्र-छात्राओं को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि आज के युग में सिर्फ डिग्री लेकर निकलना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि वित्तीय साक्षरता आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है। कुलगुरु ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे बचत, निवेश, बीमा और डिजिटल लेन-देन को महज परीक्षा के सवाल न समझें, बल्कि इन्हें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं ताकि राष्ट्र की आर्थिक शक्ति को मजबूती मिल सके।

मुंबई के विशेषज्ञ ने समझाया बाजार का चक्रव्यूह

एनआईएसएम मुंबई से आए मुख्य वक्ता डॉ. रोहित वर्मन ने प्राथमिक और द्वितीयक बाजार की बारीकियों पर प्रहार करते हुए छात्रों को व्यावहारिक निवेश और जोखिम प्रबंधन के मंत्र दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक विकासशील भारत के निर्माण के लिए युवाओं का आर्थिक रूप से साक्षर होना अनिवार्य है। वहीं बैंक ऑफ न्यूयॉर्क की दीक्षा और एलआईटी नेक्सस की मुस्कान ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर छात्रों को वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय निवेश की हकीकत से रूबरू कराया।

मिशन मोड में विश्वविद्यालय

कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी और विभागाध्यक्ष डॉ. हरवंश मरावी के मार्गदर्शन में चली इस कार्यशाला में 60 प्रतिभागियों ने वित्त की जटिलताओं को सरल भाषा में समझा। पीएम ऊषा नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे और सेडमैप के रवि वर्मन ने भी इसे समय की मांग बताया। विश्वविद्यालय का यह कदम उन युवाओं के लिए एक करारा जवाब है जो केवल किताबी ज्ञान के भरोसे करियर की तलाश में हैं।

मालवाहक में ठूंसकर लाए गए छात्र, सोते रहे

शहडोल।

संभाग में कानून का खौफ शून्य होता जा रहा है, उमरिया जिले के पाली विकासखंड स्थित ग्राम पहडिया के माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों ने संवेदनहीनता और लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए दर्जनों मासूमों की जान दांव पर लगा दी। पिकनिक मनाने के नाम पर इन बच्चों को किसी बस या सुरक्षित वाहन में नहीं, बल्कि एक मालवाहक छोटा हाथी में भेड़-बकरियों की तरह ठूंसकर शहडोल लाया गया। हैरानी की बात यह है कि वाहन क्रमांक एमपी 20 जेडएच 4446 जिस पर गुड्स कैरियर लिखा था, वह उमरिया से शहडोल तक का लंबा सफर तय कर गया। यह वाहन शहडोल कलेक्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक कार्यालय जैसे अति-संवेदनशील इलाकों के सामने से सीना तानकर गुजरा, लेकिन न तो ट्रैफिक पुलिस की नजर पड़ी और न ही परिवहन विभाग के उडऩदस्तों ने इसे रोकने की जहमत उठाई। क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा था? वाहन की स्थिति ऐसी थी कि बच्चों को गिनना भी मुश्किल था, वे पीछे लटकने को मजबूर थे। वहीं गुरु की गरिमा को तार-तार करते हुए स्कूल की शिक्षिकाएं ड्राइवर के बगल वाली सीट पर आराम फरमाती नजर आईं। जो शिक्षक बच्चों को सुरक्षा का पाठ पढ़ाते हैं, वे खुद उन्हें मौत के साये में सफर करवा रहे थे। अगर रास्ते में वाहन पलट जाता या कोई टक्कर हो जाती, तो इन मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन होता? यह घटना जिला शिक्षा विभाग और यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली पर गहरा तमाचा है। नेशनल हाईवे पर इस तरह अवैध रूप से मालवाहक में सवारी ढोना संगीन अपराध है, फिर भी यह वाहन कई नाकों को पार कर अंतराष्ट्रीय कंकाली मंदिर तक पहुंच गया। अभिभावकों में भारी आक्रोश है और वे सवाल पूछ रहे हैं कि क्या उनके बच्चों की जान इतनी सस्ती है। क्या जिला प्रशासन इन लापरवाह शिक्षकों पर एफआईआर दर्ज कराएगा या फिर कागजी खानापूर्ति कर इस मामले को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

विद्यार्थी शिक्षा के साथ रोजगार की ओर भी बढ़ाये कदम ताकि बन सके स्वाबलंबी

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

शिक्षा के साथ साथ विद्यार्थी रोजगार स्थापित कर स्वालम्बी बनने की दिशा मे आत्मनिर्भर बन परिपक्व बनने की ओर कदम बढ़ाए तभी शिक्षा की सार्थकता सही होगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग महाविद्यालय स्तरों पर रोजगारनमुखी प्रशिक्षण समय समय पर आयोजित करता है।जिससे विद्यार्थी प्रशिक्षण ले रोजगार की ओर बढ़े। उक्त बातें प्राचार्या डॉ सरिता पांडेय ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद मे आयोजित हुये शुक्रवार रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम मे कही।प्रशिक्षण की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ शैलेन्द्र जाट ने बतलाया कि महाविद्यालय मैं छात्र- छात्राओं को समय -समय पर रोजगारनमुखी प्रशिक्षण स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन के तहत दिया जा रहा है।शुक्रवार को प्राचार्या डॉ सरिता पांडे एवं प्लेसमेंट ऑफिसर प्रीत नेगी के निर्देशन में उन्नती फाउंडेशन (इंफोसिस) बैंगलोर की ओर से ट्रेनिंग ऑफिसर विभांशु तिवारी द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को इंग्लिश स्पीकिंग, सॉफ्ट स्किल्स, संचार कौशल, साक्षात्कार कौशल, जीवन कौशल, व्यक्तित्व विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ,साइबर सेक्यूरिटी एवं नौकरी के लिए आवश्यक कौशल के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। 30 दिवस के प्रशिक्षण में जुलाई से अब तक 7 बैच में कुल 215 विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से प्रशिक्षित किया गया

इंदिरा ज्योति अभियान के जरिए कांग्रेस ने किया संविधान की रक्षा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्यक अभियान के अंतर्गत संचालित इंदिरा ज्योति अभियान समारोह का आयोजन शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में इंदिरा ज्योति अभियान यात्रा में शामिल वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं का कटनी आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। अभियान यात्रा में शामिल राजेंद्र मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री तथा भास्कर राव रोकड़े, राष्ट्रीय समन्वयक ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

इस दौरान नेताओं ने कहा कि भारत सरकार द्वारा 12 जुलाई 2024 को प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने संबंधी अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित की गई, जो पूरी तरह से राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ मनगढ़ंत और तथ्यहीन दुष्प्रचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता, अखंडता और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया है, जिसे झुठलाया नहीं जा सकता। नेताओं ने स्पष्ट किया कि इंदिरा ज्योति अभियान का उद्देश्य संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और ऐतिहासिक तथ्यों की रक्षा करना है। अभियान के माध्यम से आम जनता, विशेषकर युवाओं को संविधान की मूल भावना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा किया गया कोर्ट परिसर में कैंटीन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शनिवार को कोतमा कोर्ट परिसर में कैंटीन का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल के द्वारा किया गया। कैंटीन के शुभारंभ होने से अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल देखा गया साथ ही लंबे समय से की जा रही मांग भी पूर्ण हो सकी। नाश्ता, भोजन, स्नेक्स सहित पेय पदार्थ की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शुभारंभ अवसर पर प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंगाचरण दुबे, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विक्रम सिंह, व्यवहार न्यायधीश अरविंद बारला, अमनदीप सिंह छाबड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राजेश सोनी, एजीपी संतोष सोनी सहित भारी संख्या मे अधिवक्तागण एवं न्यायालीन स्टाफ शामिल रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल ने कहा कि कैंटीन का शुभारंभ एक अच्छी पहल है। जिसमें वकील, कर्मचारी एवं पक्षकार आसानी से सुविधाजनक भोजन परिसर में ही पा सकेंगे। कोतमा के अधिवक्ताओं का विशेष सम्मान है। सभी अधिवक्ता समय से न्यायालय आए जिनसे कार्य जल्द से जल्द और कम समय में पूर्ण हो सके। रिकॉर्ड रूम, विद्युत प्रकरण सहित अन्य की गई मांगों को लेकर पूरा करने का प्रयास की बात कही। न्यायाधीश विक्रम सिंह, नपा अध्यक्ष अजय सराफ, एजीपी सहित अधिवक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। संघ के अध्यक्ष राजेश सोनी द्वारा रिकॉर्ड रूम, विद्युत प्रकरण, एनडीपीएस, पॉक्सो एक्ट के प्रकरण कोतमा न्यायालय में शुरू किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। मंच का सफल संचालन एडीजे गंगाचरण दुबे द्वारा किए गया। जिनके द्वारा साहित्यिक शब्दों एवं हास्य पंक्तियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आभार प्रदर्शन एजीपी संतोष सोनी द्वारा किया गया।

खबर का असर

हरिभूमि की खबर को कलेक्टर ने तत्काल लिया संज्ञान

बेसुध अस्पताल प्रबंधन को 'जगाने' पहुंचीं डिप्टी डीएम

डिप्टी कलेक्टर ने जिला अस्पताल के निरीक्षण मे हरिभूमि की खबर पर लगी मुहर

गंदगी, पार्किंग व्यवस्था से बिफरीं डिप्टी कलेक्टर, तत्काल सुधार के निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मरीजों को बीमारी परोस रहे जिला अस्तपाल मे फैली अव्यवस्था को लेकर गुरूवार 8 जनवरी को नवागत डिप्टी कलेक्टर प्राशी अग्रवाल ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर ने अस्पताल की नई बिल्डिंग के प्रवेश द्वार पर ही गंदगी देखकर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही बताया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के नए और पुराने दोनों भवनों का निरीक्षण किया। मरीजों के बिस्तर पर गंदे चादर देखकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और दो से तीन दिनों में चादर बदलने के निर्देश दिए। प्राशी अग्रवाल ने ड्यूटी डॉक्टर रजिस्टर का भी मुआयना किया और चिकित्सकों को नियमित रूप से कार्य पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल की पार्किंग व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई, जहां मुख्य गेट पर वाहनों का जमावड़ा लगा था।

हरिभूमि
मुहिम
मरीजों की परेशानी से अनजान हैं 'धरती के भगवान'

खुली गंदगी देख भड़कीं डिप्टी डीएम

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को पार्किंग व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, अस्पताल बिल्डिंग में कई स्थानों पर एक्सपायर हो चुके अग्निशमन सिलेंडरों को जल्द बदलने के निर्देश दिए। लगभग एक घंटे के निरीक्षण के दौरान, डिप्टी कलेक्टर ने नए भवन में पेयजल के नल के आसपास गंदगी देखकर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने दिन में नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। बताया गया कि नल के पास खुली गंदगी और सफाई के बाद मलबा वहीं छोड़ दिया गया था, जिससे मरीजों को परेशानी हो रही थी। उन्होंने खुली नालियों को स्लैब से ढकने के निर्देश दिए। इस पर सीएमएचओ अलका तिवारी ने कहा कि स्लैब से ढकना संभव नहीं है, इन्हें ढलाई करके बंद करना होगा। पार्किंग क्षेत्र में मरीजों और उनके परिजनों के खुले में सूख रहे कपड़ों को लेकर भी डिप्टी कलेक्टर ने नाराजगी जताई और इसके लिए अन्य स्थान पर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

खबर पर लगी मुहर

बता दें कि जिला अस्पताल मे मची भरेंशाही समेत मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे धरती के भगवानों की संजीदगी का पर्दाफाश करते हुये हरिभूमि ने 7 जनवरी को ''मरीजों की परेशानी से अनजान हैं धरती के भगवान'' शीर्षक से प्रमुखता से खबर का का प्रकाशन कर जिला स्तर पर इस पर कार्यवाही हेतु ध्यान आकर्षित कराया था जिस पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने तत्काल संज्ञान लिया और डिप्टी कलेक्टर प्राशी अग्रवाल को जिला अस्पताल का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। जहां डिप्टी कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान हरिभूमि की खबर पर मुहर लगी और यहां प्रकाशित खबर के अनुसार ही गले तक भरेंशाही पाया गया।

स्टाफ के लिए शिथिल नियम

देखा जाता है कि आम जनता के लिए अस्पताल परिसर के मुख्य गेट पर ही पार्किंग की सुविधा दी गई है जहां पर ही आम लोगों को अपने वाहन पार्क करने हैं वही मेडिकल स्टाफ को इन नियमों का पालन करना जरूरी नही है, वे बेरोकटोक अस्पताल के मुख्य द्वार के सामने ही बेतरतीब ढंग से वाहनों की पार्किंग करते हैं, वही यदि कोई आम व्यक्ति मरीज को भी अपने वाहन से अस्पताल के गेट तक आना चाहे तो इससे पहले ही सुरक्षा गार्ड उसे रोक लेता है तथा मरीज को पैदल ही अस्पताल मे दाखिल होना पड़ता है। स्टाफ व आमजन के बीच दो प्रकार के नियम अस्पताल प्रबंधन ने लागू कर रहे हैं। हालांकि डिप्टी डीएम के निरीक्षण के बाद इसमे कमी आई है, लेकिन कुछ दिनो बाद फिर वही भरेंशाही शुरू हो जायेगी क्योंकि यह प्रथा यहां की पारंपरिक प्रथा है जिसकी टूटना लगभग नामुमकिन है।

गंदगी के बीच मरीजों का इलाज

गंदगी के बीच मरीजों का इलाज होना भी जिला अस्पताल अनूपपुर मे ही संभव है। देखा जा सकता है कि यहां सिर्फ नाम के लिए अथवा किसी मंत्री, मिनिस्टर अथवा अधिकारियों के निरीक्षण के कुछ समय पहले अस्पताल को चमकाने की खोखली कोशिश की जाती है। उनके जाते ही अस्पताल अपने वास्तविक स्वरूप मे आ जाता है। जहां तहां पड़ी गंदगी, मरीजों व परिजनों से दुर्व्यवहार तथा बेसिक सुविधाओं मे कमी, इलाज मे हीला हवाली समेत मेडिकल स्टाफ का रूखापन यहां की मुख्य विशेषताएं हैं जो यहां समाई हुई है जिसे खत्म करना किसी के वश मे नही है। चाहे कितना भी सख्त रूख अपनाया जाये कुछ समय या दिन मे फिर वही लाचार स्थिति हो जाना यहां के लिए नई बात नही है। हाल फिलहाल कुछ दिन या समय के लिए ही सही डिप्टी डीएम के आदेश से मरीजों व उनके परिजनों को राहत जरूर मिली है।

डीएम के आदेश को ठेंगा

ज्ञात हो कि बीते 16 दिसंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित नर्मदा सभागार में जिला चिकित्सालय अनूपपुर की स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा था कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को अस्पताल परिसर में बेहतर स्वच्छता एवं सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। बैठक में कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया था कि जिला चिकित्सालय में संचालित विभिन्न संदर्भ स्वास्थ्य सेवाओं तथा व्यवस्थाओं का सतत मॉनिटरिंग करें।

वीडियो वायरल, फिर भी खामोश प्रशासन, अनूपपुर में वसूली तंत्र बेखौफ

धान खरीदी में रिश्वत का राज, बिना 'चढ़ावे' नहीं हो रहा किसानों का धान पास

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जिले के धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों के साथ हो रहा शोषण अब किसी से छिपा नहीं है। किसानों का आरोप है कि धान खरीदी की पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार और अवैध वसूली का अड्डा बन चुकी है। हालात ऐसे हैं कि 500 से 1000 रुपये दिए बिना धान पास नहीं किया जाता। जो किसान पैसे देने से मना करते हैं, उनका धान कभी नमी तो कभी गुणवत्ता का बहाना बनाकर रिजेक्ट कर दिया जाता है, वहीं कई मामलों में डराने-धमकाने की शिकायतें भी सामने आई है। कोतमा क्षेत्र के अनेक खरीदी केंद्र कोतमा सेवा सहकारी समिति मर्या. छिल्पा, कोठी, अमलई, बिजुरी, अनूपपुर, बेनीबारी, भेजरी, दुलहरा, राजेंद्रग्राम एवं जैतहरी में चेकरों और प्रबंधन की मनमानी खुलकर सामने आ रही है। किसानों का कहना है कि शासन द्वारा पल्लेदारी, सिलाई और परिवहन के लिए अलग से भुगतान की व्यवस्था होने के बावजूद उनसे अवैध वसूली की जा रही है।

खरीदी केंद्र की स्थिति सबसे चिंताजनक बताई जा रही है, जहाँ किसानों को स्वयं तौल और सिलाई करनी पड़ रही है। यहाँ 40 किलो के मानक बोरे की जगह 41 किलो तक धान लिया जा रहा है, जिससे प्रति बोरा किसानों को सीधा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि खुलेआम लूट का उदाहरण भी है। धान खरीदी के दौरान आमतौर पर कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आती हैं, जिनमें किसानों से धान पास कराने के बदले अवैध रूप से पैसे की मांग, तय मानक 40 किलो के स्थान पर 41 से 42 किलो तक तौल कर प्रति बोरा नुकसान पहुँचाना, नमी या गुणवत्ता का बहाना बनाकर मनमाने ढंग से धान रिजेक्ट करना, किसानों से ही तौल-सिलाई और पल्लेदारी का काम कराना, रजिस्टर व ऑनलाइन प्रविष्टियों में हेरफेर, खरीदी में जानबूझकर देरी कर मानसिक दबाव बनाना तथा विरोध करने पर डराने-धमकाने जैसी शिकायतें प्रमुख हैं, जिससे शासन की किसान-हितैषी व्यवस्था जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार और शोषण का माध्यम बनती जा रही है।

इस पूरे मामले से जुड़े वीडियो पहले ही सामने आ चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो प्रशासन ने छापेमारी की और न ही किसी दोषी पर कार्रवाई की। जिला आपूर्ति अधिकारी सुश्री अनीता सोरते से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। प्रशासन की चुप्पी ने किसानों के गुस्से को और भड़का दिया है। किसानों का आरोप है कि वर्तमान समय में सबसे अधिक भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिनके पास कई खरीदी केंद्रों का प्रभार है। बताया जा रहा है कि उन पर शासन-प्रशासन का कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। किसानों का स्पष्ट कहना है कि यदि इन सभी धान खरीदी केंद्रों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए, तो अनूपपुर जिले में भी उसी तरह के बड़े घोटाले उजागर हो सकते हैं, जैसा छत्तीसगढ़ के कवर्धा में सामने आया था, जहाँ करीब 7 करोड़ रुपये का धान गायब होने का मामला प्रकाश में आया। किसानों ने दोषी चेकर्स और प्रबंधकों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस खुले भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करेगा, या फिर किसान इसी तरह व्यवस्था के नाम पर लुटते रहेंगे।

रेलवे लाइनों के आसपास पतंगबाजी से बचें, जान को हो सकता है गंभीर खतरा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के अंतर्गत शत-प्रतिशत रेल परिचालन 25,000 वोल्ट की हाई वोल्टेज विद्युत ओवरहेड तारों के माध्यम से किया जाता है। इन विद्युत तारों में 24 घंटे निरंतर विद्युत प्रवाह बना रहता है, जिससे किसी भी प्रकार की असावधानी जानलेवा साबित हो सकती है। रेलवे प्रशासन आमजन को सचेत करता है कि यदि पतंग का मांझा (विशेषकर गीला, धातुयुक्त अथवा सिंथेटिक मांझा) इन हाई वोल्टेज विद्युत तारों में उलझ जाता है, तो विद्युत करंट सीधे पतंग उड़ाने वाले व्यक्ति तक पहुंच सकता है, जिससे गंभीर दुर्घटना या जनहानि की आशंका रहती है। मंडल रेल प्रशासन विशेष रूप से मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर सभी नागरिकों से अपील करता है कि रेलवे लाइनों, स्टेशन परिसरों एवं ओवरहेड विद्युत तारों के आसपास पतंगबाजी से पूर्णतः परहेज करें। यह न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि इससे रेल परिचालन में संभावित बाधा, ट्रेनों के विलंब एवं यात्री सेवाओं में व्यवधान को भी रोका जा सकता है।

वन विभाग की गिरफ्त में तेंदुए के शिकार के चार शिकारी, भेजे गये जेल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वन परिक्षेत्र जैतहरी अंतर्गत एक वन्यप्राणी तेंदुए के मृत होने की सूचना प्राप्त होने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी द्वारा मुख्य वन संरक्षक के निर्देशन एवं वनमण्डलाधिकारी अनूपपुर एवं उपवनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में एक टीम गठित कर जांच प्रारंभ की गई जांच के दौरान डॉग स्क्वाड शहडोल की सहायता से संदिग्धों को वन विश्राम गृह जैतहरी लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान संदिग्धों द्वारा अपराध में शामिल व्यक्तियों की पहचान की गई जिन्हें वन विभाग टीम द्वारा गिरफ्तार कर वन विश्राम लाया गया एवं अपने अभिरक्षा में लेकर उनसे पूछताछ की गई जिस दौरान सभी ने अपना अपराध स्वीकार किया जिसमें सूरज भारिया 21 वर्ष, नोहर कोल 25 वर्ष, सुखलाल भैना 32 वर्ष, हीरालाल कोल 38 वर्ष सभी निवासी जैतहरी

वार्ड क्रमांक 15 शामिल थे। उनके द्वारा बताया गया कि हम लोग सभी मिल कर जंगली सूअर का शिकार करने के लिए तार लगाए थे जिसमें तेंदुआ फंस गया हम लोग डर के कारण तेंदुआ के शव कोघसीट के वनविभाग के द्वारा खोदी गई खाई में फेक दिए और तार, बांस की खूंटी, शीशी सबको दूर नदी के दूसरे तरफ वाले जंगल में छिपा दिए। सभी अपराधियों को साथ ले जाकर घटना स्थल एवं सामान छिपाने वाले स्थान की शिनाख्त करवाई गई इसके बाद समान की जप्ती कर मौका पंचनामा तैयार किया गया सभी अपराधियों को विवेचना उपरांत उनके विरुद्ध वन अपराध क्रमांक 4795/5 वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2(16) ()(इ), 9,39, 50, 51,52 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय अनूपपुर में पेश किया गया जहां से सभी अपराधियों को जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया। उक्त प्रकरण में वनपाल पूरन सिंह मरावी, राजू केवट एवं वनरक्षक सतेंद्र मिश्रा, राकेश शुक्ला, पंकजराज सक्तेल, कुंदन शर्मा, कोमल सिंह, तरुण सिंह व अन्य स्टाफ की भूमिका सराहनीय भूमिका रही।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में अनदेखा रहा गंभीर मुद्दा

दूषित पानी पर पूर्व नपा उपाध्यक्ष जिवेन्द्र सिंह का तीखा हमला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

09 जनवरी को जिला स्वास्थ्य समिति अनूपपुर की महत्वपूर्ण बैठक मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे, किंतु आश्चर्यजनक रूप से जिला अस्पताल अनूपपुर से निकलने वाले गंदे, बदबूदार एवं केमिकल युक्त पानी के गंभीर मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं की गई। पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं कांग्रेसी नेता जिवेन्द्र सिंह ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि जिला अस्पताल का दूषित पानी सीधे तिपान नदी में छोड़ा जा रहा है, जबकि उसी नदी का पानी नगरपालिका अनूपपुर द्वारा पेयजल के रूप में नगरीय क्षेत्र में सप्लाई किया जा रहा है। इससे नगरवासियों में उदर संबंधी बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। जिवेन्द्र सिंह ने सवाल उठाया कि जब

स्वास्थ्य समिति की बैठक में जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए थी, तब इस गंभीर जल प्रदूषण को नजर अंदाज क्यों किया गया। उन्होंने जिला प्रशासन और नगरपालिका परिषद अनूपपुर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय परिसर में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना तत्काल की जानी चाहिए, ताकि प्रदूषित पानी को नदी में मिलने से रोका जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिला चिकित्सालय अनूपपुर और नगरपालिका परिषद अनूपपुर संयुक्त रूप से पानी के माध्यम से बीमारियों को न्यौता दे रहे हैं, जो जनहित के साथ सीधा खिलवाड़ है। पूर्व नपा उपाध्यक्ष ने कटाक्ष करते हुए पूछा "क्या इस तरह का प्रदूषित पानी सप्लाई करना जनहित में है?" अपने सोशल हैंडल पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों के माध्यम से जिवेन्द्र सिंह ने जनता से अपील की कि वे देखें, कैसे नाली का पानी नदी में मिलकर उनके घरों तक पहुंचाया जा रहा है। इस मुद्दे ने अब जिले की राजनीति में भी हलचल पैदा कर दी है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भालूमाडा थाना क्षेत्र अंतर्गत हुए दोहरे हत्याकांड में हुआ सश्रम आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज भालूमाडा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एससी/एसटी विशेष न्यायालय श्रीमती माया विश्वलाल के न्यायालय द्वारा अपने समक्ष विचाराधीन प्रकरण, थाना भालूमाडा अनूपपुर के आरोपी छुट्टन रजक, भरत रजक और छुट्टन रजक की पत्नी समस्त निवासीगण ग्राम बरबसपुर थाना भालूमाडा के द्वारा एक राय होकर जयंती प्रजापति और तेहारा बाई की लाठी, टंगिया व फरसा से हत्या व नरेश और विजय को जान से मारने की नीयत से हमला कर चोट कारित करने के अपराध में सश्रम आजीवन कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण की पैरवी विशेष लोक अभियोजक हेमन्त अग्रवाल द्वारा की गई। अभियेजन अधिकारी द्वारा प्रकरण की जानकारी देते हुए बताया कि घटना थाना भालूमाडा क्षेत्र के ग्राम बरबसपुर साधू तालाब के पास की हैं जहा पर आरोपी छुट्टन रजक, भरत रजक और छुट्टन की औरत ने मिलकर जमीन की रंजिश को लेकर लाठी, टंगिया ओर फरसे से जयंती ओर तेहारा बाई की मारपीट कारित की और जब विजय और नरेश बीच बचाव करने गए तो आरोपीगण ने उनके साथ भी टंगिया व फरसे से मारपीट की। उक्त घटना में जयंती बाई ओर तेहारा बाई की मौके पर ही मृत्यु हो गई और विजय और नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पाते हुए पुलिस मौके पर पहुंची घायलों का इलाज कराने हेतु उन्हें अस्पताल भेजा गया। प्रकरण में मर्ग जांच कर आरोपीगण के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गई और आरोपी को गिरफतार किया गया। प्रकरण की प्रारंभिक विवेचना के दौरान अजय सिंह पवांर, निरीक्षक, थाना भालूमाडा द्वारा की गई जिसमें उनके द्वारा घटना स्थल पर प्राप्त सामग्री एवं आरोपीगण की निशादेही पर अपराध में प्रयुक्त सामग्री को जब्त किया और उनके संबंध में वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन हेतु डीएनए संबंधी कार्यावाही कराई गई जिसके परिणाम धनात्मक आए प्रकरण में

आवश्यक प्रत्यक्ष दर्शी साक्षियों के कथन भी लेखबद्व किए गए। प्रकरण में अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम की धारा का इजाफा किया गया तत्पश्चात विवेचना तत्कालीन एसडीओपी द्वारा की गई ।संपूर्ण साक्ष्य संकलन प्रश्चात अभियेग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण अत्यंत ही गंभीर प्रकृति का था जिसकी विवेचना व पैरवी वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। प्रकरण को जिलादण्डाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा चिंहित प्रकरणों की श्रेणी में रखा गया प्रकरण की पैरवी के दौरान श्री अग्रवाल द्वारा शासन की तरफ से कुल 27 गवाह कराये और घटनास्थल व आरोपियों से जब्त सामग्री को न्यायालय के सामने प्रस्तुत करते हुए प्रदर्श कराया। न्यायालय द्वारा दोनों पक्षों को सुनने और संपूर्ण साक्ष्य पर विचार करने के पश्चात अभियेजन व पुलिस की कार्यवाही को प्रमाणित पाते हुए आरोपीगण को उक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में पैरवीकर्ता द्वारा आरोपी द्वारा किए गए सुनियोजित तरीके से अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों की हत्या करने के अपराध के लिए मृत्युदण्ड की मांग की गई। जिस पर न्यायालय द्वारा आरोपीगण को अलग-अलग अपराधिक कृत्य के लिए 04 बार (4 काउंट) आजीवन कारावास के सश्रम दण्डादेश का आदेश पारित किया ओर जुर्माने की राशि में से मृतकगण के परिजनों को दिए जाने का निर्देश दिया।

मॉडल हाई स्कूल अनूपपुर में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मध्य प्रदेश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल (अध्यक्ष) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) अनूपपुर के निर्देशन नशा मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से मॉडल स्कूल अनूपपुर में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर द्वारा की गई। इस अवसर पर सचिव ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल द्वारा विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। छात्रों ने नशा मुक्ति से संबंधित नारे लगाए तथा पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य किया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने यह आशा व्यक्त की कि इस अभियान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर होगी। उक्त कार्यक्रम में मॉडल हाई स्कूल के प्राचार्य आर.के. परस्ते, शिक्षक हरीओम शर्मा, एस.के. साहू, श्रीमति अंजली मार्को, अमृत गुप्ता, पीएलव्ही फूलचंद राठौर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सभी समाज को साथ लेकर चलें, भारत का होगा विकासः सांसद हिमाद्री सिंह

जैतहरी नगर को प्रगति पथ पर अग्रसर किया: विधायक बिसाहु लाल सिंह

एक सेवक बनकर नगर विकास का कार्य किया: उमंग गुप्ता

हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

जिले के जैतहरी नगर परिषद में शनिवार को विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, अनूपपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री विसाहु लाल सिंह, पूर्व विधायक सुदामा सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, प्रकाश जगवानी, नगर परिषद अध्यक्ष उमंग गुप्ता, नगर पालिका पसान अध्यक्ष राम अवध सिंह, डूमर कछार नगर परिषद अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चौरसिया तथा गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि नगर परिषद अध्यक्ष उमंग गुप्ता द्वारा जैतहरी के विकास के लिए किए गए कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने समाज को एक माला में पिरोने वाली सोच की प्रशंसा की और कहा कि हमारी पीढ़ी ऐसे कार्यों से प्रेरित होगी। सभी समाज को साथ लेकर चलेंगे तो भारत का विकास निश्चित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबका साथ, सबका विकास की सोच को साकार करने की दिशा में यह परिषद कार्य कर रही है। उन्होंने जैतहरी से बिलासपुर तक नेशनल हाईवे निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से शीघ्र बात करने का आश्वासन दिया। अनूपपुर विधायक विसाहु लाल सिंह ने कहा कि उमंग गुप्ता ने तीन वर्षों में नगर विकास को तेज गति दी है। उन्होंने अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने बताया कि परिषद ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर ऐतिहासिक कार्य किया है, जो शहडोल संभाग में कहीं और नहीं हुआ। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग गुप्ता ने कहा, हमने एक सेवक बनकर कार्य किया। स्मार्ट क्लास कोचिंग, गौरव पथ, अध्यात्म पथ और सभी धर्मों की प्रतिमाएं स्थापित कर सभी का सम्मान किया। नगर की प्रगति निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने सभी से सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर विभिन्न समाज के लोगों ने नगर परिषद अध्यक्ष जैतहरी उमंग गुप्ता का सम्मान पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने दी।